Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun

signed Memorandum of Understanding (MoU)

with

Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar

14th December, 2020

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed on 14th December, 2020 at ICFRE, Dehradun through Video Conferencing between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun (an Autonomous Council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change) and Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar. The MoU was signed by Sh. A.S. Rawat, Director General, ICFRE, Dehradun and Prof. Annpurna Nautiyal, Vice Chancellor, HNBGU, Srinagar.

ICFRE, through its Institutes and Centers located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development.

The MoU has been signed with the objectives to promote cooperation in the field of forestry research, exchange of scientists, technologists, research scholar, PG Students and implementation of collaborative research projects.

Through this collaboration, ICFRE and HNBGU will complement each other by sharing their scientific and technical expertise. This will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, and exchange of resources for dissemination of information to stakeholders. This will also help to promote livelihood opportunities and augment income of the forest based communities.

The MoU is expected to provide synergy in education, research and development for both the organizations and will ultimately aim to promote better economic and ecological security.

The occasion was graced by all Deputy Director Generals, Director (International Cooperation), Assistant Director Generals, Dean (Academic), FRI Deemed to be University and scientists from ICFRE, Dehradun and Director, HAPPRC, Dean, School of Agril. & Allied Sciences, Heads and other faculty from HNBGU, Srinagar.

*****

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE), देहरादून
एवं
हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर
के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन
14 दिसम्बर, 2020

दिनाँक 14 दिसम्बर, 2020 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE), देहरादून (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्) एवं हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर के मध्य वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए। इस समझौता ज्ञापन पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के महानिदेशक श्री अरूण सिंह रावत एवं हे.न.ब.ग.वि., श्रीनगर की कुलपति प्रो.0 अन्नपूर्णा नौटियाल द्वारा हस्ताक्षर किये गए।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, देश भर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार, शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहा है। वर्तमान में भा.वा.अ.शि.प. विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

समझौता ज्ञापन पर वानिकी अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिको, टेक्नोलॉजिस्टस, अनुसंधान अध्ययेताओं, स्नाकतोत्तर छात्रों के आदान–प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस सहयोग के माध्यम से भा.वा.अ.शि.प. एवं हे.न.ब.ग.वि., अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं को साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। इससे तकनीकी अंतराल की पहचान करने, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान–प्रदान में मदद मिलेगी। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के साथ–साथ वन आधारित समुदायों की आय बढ़ाने में भी मदद करेगा।

समझौता ज्ञापन से दोनों संगठनों के लिए शिक्षा, अनुसंधान और विकास में सहयोग मिलने की उम्मीद है और अंततः इसका लक्ष्य बेहतर आर्थिक और पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा।

इस अवसर पर भा.वा.अ.शि.प. के सभी उपमहानिदेशक, निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग), सभी सहायक महानिदेशक, सचिव, डीन व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय एवं वैज्ञानिकों व हे.न.ब.ग.वि, श्रीनगर के निदेशक, हाई एलटीट्यूड प्लांट फिजियोलॉजी रिसर्च सेंटर (HAPPRC), डीन (कृषि एवं संबंद्व विज्ञान), विभागाध्यक्षों एवं अन्य संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

*****

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त परिषद्)

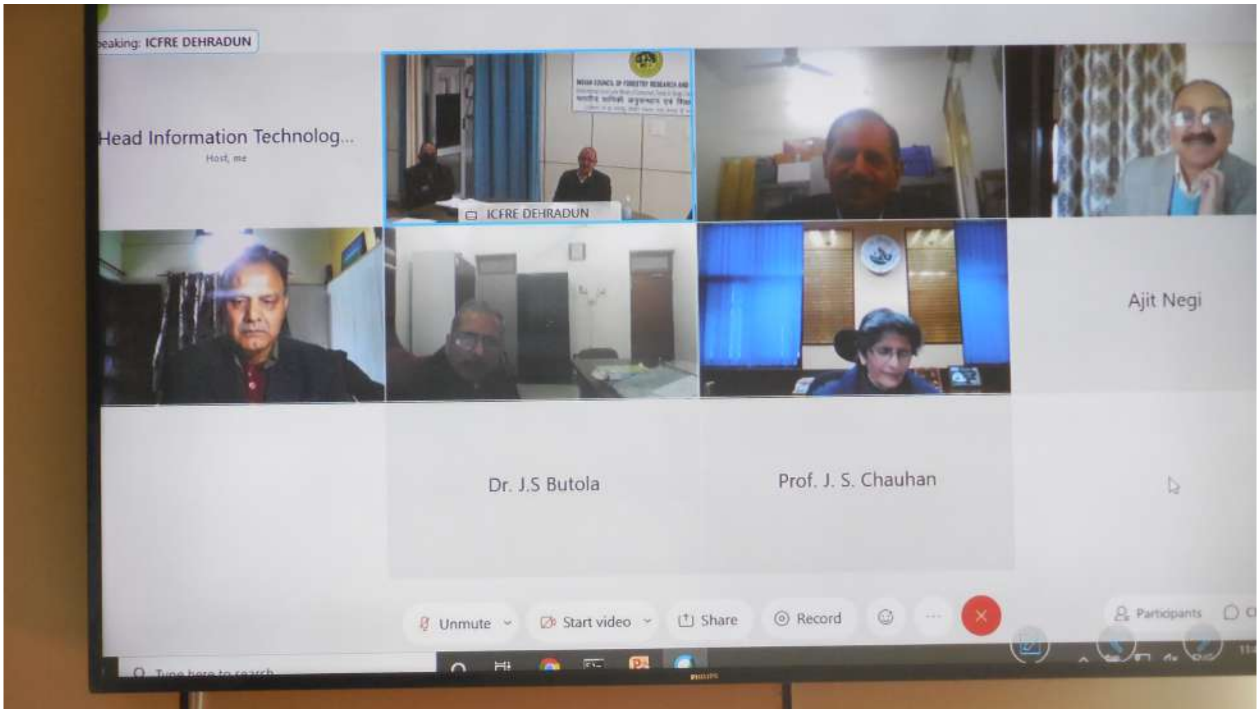
ICFRE DEHRADUN
Head Information Technolog...
ICFRE DEHRADUN
Ajit Negi
Dr. J.S Butola
Prof. J. S. Chauhan
Unmute
Start video
Share
Record
Participants